आकाशवाणी केन्द्र शिमला

06.07.2025 **15:00 बजे**

राज्यपाल

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने राजभवन शिमला से आपदा प्रभावित मण्डी ज़िले के लिए राहत सामग्री से भरे 3 वाहनों को आज रवाना किया। इन वाहनों में प्रभावित परिवारों के लिए कम्बल, तिरपाल और किचन सैट सहित अन्य सामग्री शामिल है। राज्यपाल ने कहा कि इस आपदा से मण्डी ज़िले में भारी क्षति हुई है जिससे उबरने में काफी समय लग जाएगा। उन्होंने समाज के सभी लोगों से प्रभावितों की मदद के लिए आगे आने का आह्वान किया है।

कंगना रनौत

इस बीच, मण्डी से भाजपा सांसद कंगना रनौत ने आज सराज विधानसभा क्षेत्र के आपदा प्रभावित इलाकों का दौरा किया। उन्होंने थुनाग बाज़ार में भी नुकसान का जायज़ा लिया। उन्होंने कहा कि सराज क्षेत्र में आपदा से भारी नुकसान हुआ है और ऐसे में हम सभी को प्रभावितों की मदद करने की ज़रूरत है। कंगना रनौत ने कहा कि वे स्वयं केन्द्र सरकार के समक्ष आपदा प्रभावितों के लिए विशेष राहत पैकेज की मांग रखेंगी। इसके अलावा प्रभावितों के पुनर्वास और पुनर्स्थापना का आग्रह भी केन्द्र सरकार से किया जाएगा। विपक्ष के नेता व पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर भी इस दौरान मौजूद रहे।

भाजपा

मण्डी ज़िले के आपदाग्रस्त क्षेत्रों में भाजपा ने पिछले 48 घंटों में 2 हज़ार से अधिक राहत किटें प्रभावितों तक पहुंचाई हैं। पार्टी अध्यक्ष राजीव बिंदल ने बताया कि कल पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा 5 हज़ार से अधिक राहत किटें प्रभावित इलाकों में पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि राहत किटें पहुंचाने के कार्य की देखरेख के लिए 3 टीमें बनाई गई हैं।

आपदा

मण्डी ज़िले में प्राकृतिक आपदा से सराज विधानसभा क्षेत्र के थुनाग व अन्य इलाकों में भारी क्षति हुई है। उपायुक्त अपूर्व देवगन स्वयं मौके पर मौजूद रहकर प्रबंधों को सुचारू बनाने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि थुनाग तक आज शाम तक सड़क सुविधा बहाल हो जाएगी, जिससे प्रभावित इलाकों में अधिक राहत पहुंचाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि एन.डी.आर.एफ., एस.डी.आर.एफ., सेना, वायु सेना, पुलिस और होमगार्ड के जवानों सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी सुविधाएं बहाल करने की दिशा में कार्य कर रहे हैं।

मौसम

राजधानी शिमला सहित प्रदेश के अधिकांश भागों में आज हल्के बादल छाए हुए हैं। हालांकि मॉनसून की सक्रियता के चलते सुबह के समय कुछ क्षेत्रों में वर्षा भी हुई है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के दौरान राज्य के कई जिलों में भारी वर्षा का पूर्वानुमान जताया है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के वैज्ञानिक संदीप कुमार शर्मा ने बताया कि कांगड़ा, मंडी और सिरमौर में भारी वर्षा को लेकर रेड

अलर्ट जबकि लाहौल–स्पीति व किन्नौर को छोड़कर अन्य सभी जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। अधिक बारिश की आशंका को देखते हुए बादल फटने और भूस्खलन जैसी घटनाएं हो रही है, जिसके चलते प्रशासन द्वारा लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

इस बीच भारी बारिश की आशंका के बीच मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा है कि सरकार किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह सतर्क है। उन्होंने कहा कि बीते 15 दिनों में भारी बारिश, बादल फटने और भूस्खलन की घटनाओं में विस्थापित व् प्रभावित लोगों के लिए राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी हैं और वे स्वयं स्थिति पर नजर रख रहे हैं।

नुकसान

इस बीच मंडी व चंबा जिलों में बादल फटने की सूचना है। हमारे संवाददाता के अनुसार चंबा जिला के चुराह उपमंडल के तहत बघेईगढ़ नाले में बादल फटने से नकरोड़–चांजू मुख्य मार्ग पर बना पुल क्षतिग्रस्त हो गया। ग्राम पंचायत चरड़ा, चांजू, देहरा, बघेईगढ़ सड़क मुख्य मार्ग से कट कई है। वहीं दूसरी ओर मंडी पुलिस नियंत्रण कक्ष से प्राप्त सूचना के अनुसार उपमंडल पधर की टिक्कन पंचायत के सिलबधानी गांव में कल रात बादल फटने का समाचार है। एस.डी.एम. पधर सुरजीत सिंह ठाकुर ने बताया कि घटना में जानी नुकसान का कोई समाचार नहीं है। हालांकि बादल फटने के कारण क्षेत्र में पुल और सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं।

मुहर्रम

आज मुहर्रम है। यह दिवस पैगम्बर मुहम्मद के पोते हजरत इमाम हुसैन और उनके शागिर्दों की शहादत की याद में मनाया जाता है जिन्होंने सत्य और न्याय के लिए करबला में अपनी जान गंवा दी थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि हजरत इमाम हुसैन ने विपरीत परिस्थितियों में भी सत्य पर अडिग रहने की प्रेरणा दी थी।